CMYK

Website : www.highwaychannel.in

छत्तीसगढ़ का सर्वाधिक प्रसारित शाम का अखबार

हाईवे चैनल

□ वर्ष- 29 □ अंक- 218 □ रायपुर, सोमवार 31 अगस्त 2026 □ पृष्ठ-8 □ मूल्य- 2.50 रुपया • रायपुर • जगदलपुर से प्रकाशित RNI रजिस्ट्रेशन नं. 68139/98

ब्रेकिंग न्यूज

पेट्रोल में एथनॉल की मात्रा दर्शाने की मांग वाली याचिका पर सुप्रीम कोर्ट ने सुनवाई से किया इनकार

नई दिल्ली, 31 अगस्त (न्यूज चैनल)। उच्चतम न्यायालय ने सोमवार को उस जनहित याचिका पर सुनवाई करने से इनकार कर दिया, जिसमें केंद्र सरकार और अन्य संबंधित पक्षों को यह निर्देश देने का अनुरोध किया गया था कि देशभर के पेट्रोल पंपों पर पेट्रोल में मौजूद एथनॉल की सटीक मात्रा अनिवार्य रूप से बतायी जाए। न्यायमूर्ति एम.एम. सुंदरेश और न्यायमूर्ति पी.बी. वराले की पीठ ने कहा कि वह संविधान के अनुच्छेद 32 के तहत इस जनहित याचिका पर सुनवाई नहीं करेगी। अनुच्छेद 32 नागरिकों को सीधे उच्चतम न्यायालय का रुख करने का अधिकार देता है। पीठ ने याचिकाकर्ता नरेंद्र कुमार गोस्वामी से कहा कि वह राहत के लिए संबंधित क्षेत्राधिकार वाले उच्च न्यायालय का रुख कर सकते हैं।

किर्गिस्तान में पीएम मोदी ने महात्मा गांधी को दी श्रद्धांजलि, भारतीय समुदाय के लोगों से भी की मुलाकात

नई दिल्ली, 31 अगस्त (न्यूज चैनल)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी दो दिवसीय यात्रा पर किर्गिस्तान की राजधानी बिश्केक पहुंच गए हैं।

यहां वह शंघाई सहयोग संगठन के 26वें शिखर सम्मेलन में हिस्सा लेंगे और संगठन के कई सदस्य देशों के नेताओं के साथ द्विपक्षीय बैठकें करेंगे। एयरपोर्ट पर किर्गिस्तान के मंत्रिपरिषद के अध्यक्ष अदिलबेक कासिमालियेव ने पीएम मोदी का स्वागत किया। इस दौरान पारंपरिक किर्गिज नृत्य की प्रस्तुति भी दी गई। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने किर्गिस्तान की राजधानी बिश्केक में महात्मा गांधी स्मारक पहुंचकर उनकी प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की।

बिरादरी की बात

चूहा- सुनती हो, पीएम मोदी की 'मन की बात' को लोग मन लगाकर नहीं सुनते..!
चुहिया- हां जी, सरकार को जगह-जगह व्यवस्था करानी पड़ती है..!

राजधानी में देर रात 22 साल के युवक की हत्या

आरोपियों की तलाश में जुटी पुलिस

रायपुर, 31 अगस्त (हाईवे चैनल)। राजधानी रायपुर में अपराध का एक सनसनीखेज मामला सामने आया है। पुरानी बस्ती थाना क्षेत्र के अश्वनी नगर स्थित गौसिया मस्जिद के पास रविवार देर रात एक युवक की हत्या कर दी गई। बताया जा रहा है कि दो अज्ञात हमलावरों ने युवक पर धारदार हथियार से हमला किया। घनी आबादी वाले इलाके में हुई इस वारदात के बाद आसपास के क्षेत्र में हड़कंप मच गया।

जानकारी के मुताबिक, घटना अश्वनी नगर में गौसिया मस्जिद के पास की है। बताया जा रहा है कि युवक का दो लोगों के साथ किसी बात को लेकर विवाद हुआ था। विवाद बढ़ने के बाद दोनों आरोपियों ने युवक पर हमला कर दिया। हमलावरों से बचने के लिए युवक ने एक्टिवा से वहां से निकलने की कोशिश की, लेकिन उसकी स्कूटी नाली में फंस गई। इसके बाद वह सड़क पर गिर गया।

आरोप है कि पीछा कर रहे दोनों हमलावरों ने उस पर धारदार हथियार से हमला कर दिया और मौके से फरार हो गए। मृतक की पहचान डंगनिया निवासी 22 वर्षीय अहमद खान के रूप में हुई है। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची। गंभीर रूप से घायल युवक को इलाज के लिए एम्स अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। वारदात की जानकारी मिलते ही पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी और क्राइम ब्रांच की टीम भी मौके पर पहुंची। टीम ने घटनास्थल का निरीक्षण कर मामले से जुड़े साक्ष्य जुटाए।

हत्या के बाद दोनों आरोपी मौके से फरार हो गए। पुलिस अब उनकी पहचान और गिरफ्तारी के लिए आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल रही है। घटनास्थल के आसपास मौजूद लोगों से भी पूछताछ की जा रही है। युवक के शव का पंचनामा तैयार कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। पुलिस ने हत्या का मामला दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है। फिलहाल हत्या के पीछे की वास्तविक वजह स्पष्ट नहीं हो पाई है। पुलिस इस बात की भी जांच कर रही है कि वारदात पुरानी रंजिश का नतीजा थी या फिर मौके पर हुए किसी विवाद के बाद हत्या की गई। पुलिस का कहना है कि जांच के बाद घटना की पूरी तस्वीर सामने आएगी।

बस और बोलेरो की बीच जोरदार टक्कर

हादसे में मजदूर की मौत, कई घायल

बलरामपुर, 31 अगस्त (हाईवे चैनल)। छत्तीसगढ़ के बलरामपुर जिले के वाड्रफनगर में बनारस रोड पर मजदूरों से भरी बस और बोलरो में जबरदस्त भीड़ंत हो गई है. टक्कर इतनी भीषण थी कि बोलेरो के परखच्चे उड़ गए. हादसे में एक मजदूर की मौत हो गई, जबकि बस और बोलेरो में सवार कई लोग घायल बताए जा रहे हैं. घटना के बाद मौके पर हड़कंप मच गया।

जानकारी के अनुसार, बस उत्तर प्रदेश के दुद्धी से मजदूरों को लेकर तेलंगाना के हैदराबाद जा रही थी. इसी दौरान वाड्रफनगर के पुराने नर्सरी के पास बस और बोलेरो की ने बीच टक्कर हो गई. हादसे में मृतक की पहचान उत्तर प्रदेश के मोहली निवासी करीब 50 वर्षीय सहदेव पिता थुरच के रूप में हुई है. वहीं बोलेरो सवार कई लोगों के गंभीर रूप से घायल हो गए, जबकि बस में सवार मजदूरों को भी चोटें आई हैं।

हादसे में मजदूर की मौत हो गई, जबकि कई लोग घायल हुए. टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि बोलरे के परखच्चे उड़ गए. देर रात हुए हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस टीम ने मौके पर पहुंचकर घायलों को अस्पताल भेजा. फिलहाल घायलों का इलाज जारी है। फिलहाल पुलिस ने हादसे के कारणों की जांच शुरू कर दी है. पुलिस घटना से जुड़े सभी पहलुओं की जांच कर रही है और दुर्घटना के वास्तविक कारणों का पता लगाया जा रहा है।

झीरम घाटी हत्याकांड पर फैसला आने से पहले भूपेश बघेल ने एनआईए जांच पर उठाए सवाल

कांकेर, 31 अगस्त (हाईवे चैनल)। बहुचर्चित झीरम घाटी हत्याकांड मामले में एनआईए कोर्ट में दोनों पक्षों की दलीलें पूरी हो चुकी है। आज 31 अगस्त को फैसला आने की संभावना थी, लेकिन आज सुनवाई के बाद एनआईए कोर्ट ने फैसले की तारीख आगे बढ़ा दी है। लेकिन फैसला आने से पहले ही पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने एनआईए की जांच पर सवाल उठाए दिए हैं। बहुचर्चित झीरम घाटी हत्याकांड को लेकर पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने आरोप लगाया कि एफआईआर में नामजद लोगों से पूछताछ नहीं की गई और मौके पर मौजूद कई लोगों के बयान भी नहीं लिए गए। उन्होंने कहा कि घटना के पीछे के षड्यंत्रकारियों तक पहुंचने की दिशा में जांच नहीं हुई।

बघेल ने बताया कि मुख्यमंत्री रहते उन्होंने केंद्रीय गृहमंत्री से जांच राज्य सरकार को सौंपने की मांग की थी। एसआईटी गठित करने पर एनआईए

हाईकोर्ट पहुंच गई थी। उन्होंने आरोप लगाया कि वर्तमान भाजपा सरकार ने भी मामले की आगे जांच के लिए कोई कदम नहीं उठाया, जिससे लगता है कि भाजपा मामले को दबाना चाहती है। इसके पहले पूर्व उप मुख्यमंत्री टीएस सिंहदेव ने भी घटनाक्रम को लेकर बड़ा बयान दिया था। उन्होंने कहा था कि वे खुद इस घटना के प्रत्यक्षदर्शी रहे हैं, और जगदलपुर पहुंचकर एनआईए के सामने अपनी आंखों देखी घटना का बयान दर्ज करा चुके हैं। उन्होंने कहा कि घटना वाले दिन पूरे इलाके में पुलिस की मौजूदगी लगभग शून्य थी। रास्ते में कहीं भी पर्याप्त फोर्स तैनात नहीं थी. उन्होंने कहा कि उनके बयान में घटना से जुड़े सभी अहम पहलुओं को दर्ज कराया गया है। अगर जांच और फैसले में इन तथ्यों को जगह मिलती है, और इस घटना के लिए जिम्मेदारी भी तय होती है, तभी पीड़ितों और कांग्रेस नेताओं को न्याय मिलने का संतोष होगा।

25 मई 2013 को छत्तीसगढ़ विधानसभा चुनाव से पहले कांग्रेस की परिवर्तन यात्रा सुकमा से जगदलपुर लौट रही थी। इसी यात्रा के दौरान दरभा झीरम घाटी में घात लगाए नक्सलियों ने कांग्रेस नेताओं के काफिले पर हमला कर दिया। इस हमले में कांग्रेस की उस दौर की एक पूरी राजनीतिक पीढ़ी खत्म हो गई। इस बड़े नक्सली हमले में बस्तर टाइगर महेंद्र कर्मा, तत्कालीन पीसीसी अध्यक्ष नंदकुमार पटेल, वरिष्ठ नेता विद्याचरण शुक्ल, उदय मुदलियार समेत कांग्रेस के कई प्रमुख नेताओं के साथ कई सुरक्षा बल के जवान और आम लोगों की भी मौत हुई थी।

महिला के पास से 25 करोड़ का 15.6 किलो सोना जब्त

नई दिल्ली, 31 अगस्त (न्यूज चैनल)। भारत-बांग्लादेश सीमा पर बीएसएफ ने सोने की तस्करी के खिलाफ एक अब तक की सबसे बड़ी कार्रवाई को अंजाम दिया है। पश्चिम बंगाल के नादिया जिले में सीमा सुरक्षा बल की 32वीं बटालियन के जवानों ने गुप्त सूचना के आधार पर एक संदिग्ध महिला को हिरासत में लेकर उसके पास से 15 किलो 607 ग्राम सोना बरामद किया है। ज़ब्त किए गए सोने की अनुमानित बाजार कीमत 24 करोड़ 95 लाख 56 हज़ार रुपये आंकी गई है। बॉर्डर इलाके में हाल के दिनों में हुई यह सबसे बड़ी ज़ब्तियों में से एक मानी जा रही है। यह ज़ब्ती नादिया के बनपुर बॉर्डर इलाके में हुई, जब बीएसएफ की 32वीं बटालियन के जवानों ने एक गुप्त सूचना के आधार पर इलाके में ऑपरेशन चलाया।

नेपाल बाढ़: एक जिला, दो सौ से ज्यादा गुमनाम शव डीएनए सुरक्षित कर कब्रों में किया जा रहा दफन

नई दिल्ली, 31 अगस्त (न्यूज चैनल)। नेपाल में आई विनाशकारी बाढ़ में अब तक 903 लोगों की मौत की पुष्टि हो चुकी है। इस बाढ़ के चलते बड़ी संख्या में लोग बहकर देश के निचले इलाकों में पहुंच गए। नेपाल के चितवन जिले में अधिकारियों ने शवों की पहचान होने से पहले ही उन्हें अस्थायी कब्रों में दफनाना शुरू कर दिया है। इसे लेकर हिंदू अंतिम संस्कार की परंपराओं की अनदेखी किए जाने के आरोप भी लग रहे हैं। दक्षिण-मध्य नेपाल के चितवन जिले में आपदा की भयावहता का अंदाजा करीब 250 शवों के पहचान के इंतजार और उन्हें अस्थायी रूप से दफनाने के लिए जल्दबाजी में खोदे गए गड्ढों से लगाया जा सकता है। बाढ़ के केंद्र से भोटेकोशी नदी में बहकर शव सैकड़ों किलोमीटर दूर चितवन पहुंचे। अधिकारियों के अनुसार, फॉरेंसिक टीमों पर बढ़ते दबाव के बीच शनिवार को करीब 100 शवों को अस्थायी रूप से दफनाया गया। शवों को लेकर वाहनों का काफिला घने और हरे-भरे जंगल वाले इलाके में पहुंचा।

भाई से विवाद के बाद बिजली के टावर पर चढ़ा युवक, मचा हड़कंप

बिलासपुर, 31 अगस्त (हाईवे चैनल)। जिले में भाई से विवाद के बाद एक युवक बिजली के टावर पर जा चढ़ा। युवक को टावर पर बैठा देखकर इलाके में हड़कंप मच गया और मौके पर लोगों की भारी भीड़ जमा हो गई।करीब दो घंटे तक मोहल्लेवासी युवक को समझाकर नीचे उतरने के लिए मनाते रहे, लेकिन वह टावर से नीचे आने को तैयार नहीं हुआ। आखिरकार मोहल्ले के दो युवकों ने बातचीत कर उसे भरोसे में लिया और सुरक्षित नीचे उतार लिया। पूरा मामला कोतवाली थाना क्षेत्र के दयालबंद का है।

बताया जा रहा है कि दुर्गा मंदिर के पीछे रहने वाले कुंदन केसरी का किसी

बात को लेकर अपने भाई से विवाद हो गया था।विवाद के बाद नाराज कुंदन घर से कुछ दूर नदी किनारे गुरुनानक स्कूल के पास स्थित बिजली के टावर पर चढ़ गया। युवक को टावर पर चढ़ा देखकर आसपास के लोगों ने पुलिस को सूचना दी। इसके बाद बड़ी संख्या में मोहल्लेवासी मौके पर पहुंचे और लगातार बातचीत कर युवक को नीचे उतरने के लिए समझाते रहे।करीब दो घंटे तक चले इस हाईवोल्टेज ड्रामे के बाद मोहल्ले के दो युवकों ने कुंदन को भरोसे में लिया और किसी तरह उसे सुरक्षित नीचे उतार लिया।युवक के नीचे उतरते ही लोगों ने राहत की सांस ली।मौके पर पहुंची पुलिस युवक को थाने लेकर गई, जहां पूछताछ के बाद उसे परिजनों के सुपुर्द कर दिया गया। फिलहाल युवक सुरक्षित है। भाई से विवाद के बाद युवक ने आखिर ऐसा कदम क्यों उठाया, पुलिस इस पूरे मामले की जानकारी जुटा रही है।

कौशाम्बीः पटाखा फैक्टरी में भीषण आग धमाकों से दहला मनौरी बाजार, कई लोग झुलसे

नई दिल्ली, 31 अगस्त (न्यूज चैनल)। पिपरी थाना क्षेत्र के मनौरी बाजार में सोमवार दोपहर करीब 12 बजे एक पटाखा फैक्टरी में अचानक आग लगने से हड़कंप मच गया। आग लगते ही फैक्टरी में रखे पटाखों में एक के बाद एक तेज धमाके होने लगे। धमाकों की आवाज करीब दो किलोमीटर दूर तक सुनाई दी। कुछ ही देर में फैक्टरी से उठे धुएं के गुबार ने आसपास के इलाके को ढक लिया, जिससे बाजार में अफरा-तफरी मच गई। धमाके में कई परिवारों के मकान धराशायी हो गए। तीन लोगों की मौत की सूचना मिल रही है। मौके पर डीएम और एसपी पहुंच गए। लोग मलबों में अपनों की लाश खोज रहे हैं। बताया जा रहा है कि बस्ती से कुछ दूरी पर एक मकान में पटाखा फैक्टरी संचालित हो रही थी। हादसे के समय अंदर करीब दर्जनभर लोगों के मौजूद होने की सूचना है।

भारी बारिश के चलते एमपी को छत्तीसगढ़ से जोड़ने वाला पुल टूटा

रायपुर, 31 अगस्त (हाईवे चैनल)। एमसीबी जिले के गोहड़ारी नदी पर बना पुल क्षतिग्रस्त होने के बाद हजारों लोगों की परेशानी बढ़ गई है। छत्तीसगढ़ को मध्य प्रदेश से जोड़ने वाले जनकपुर-शहडोल मुख्य मार्ग पर स्थित यह पुल 20 अगस्त को तेज बारिश और नदी में आई बाढ़ के दौरान क्षतिग्रस्त हो गया था।

गोहड़ारी नदी का यह पुल सिर्फ एक पुल नहीं, बल्कि एमसीबी जिले के जनकपुर क्षेत्र को मध्य प्रदेश से जोड़ने वाली महत्वपूर्ण कड़ी है। पुल क्षतिग्रस्त होने के बाद इस पूरे इलाके की रफ्तार थम गई है। पुल पर हादसे की आशंका को देखते हुए प्रशासन ने बसों, ट्रकों और भारी वाहनों की आवाजाही पर रोक लगा दी है। लेकिन पुल की मरम्मत अब तक शुरू नहीं हो सकी है। हालत यह है कि एक तरफ के यात्रियों और स्कूली बच्चों को बस से उतरकर करीब 500 मीटर पैदल चलना पड़ रहा है और उस पार जाकर दूसरी बस पकड़नी पड़ रही है। प्रशासन ने पुल की सुरक्षा को देखते हुए फिलहाल बड़े वाहनों की आवाजाही पर रोक लगाई है। प्रतिबंध का उल्लंघन करने पर भारतीय न्याय संहिता की धारा 223 और मोटरयान अधिनियम की संबंधित धाराओं के तहत कार्रवाई की चेतावनी का बोर्ड लगा दिया गया है। यह आदेश 20 अगस्त से 20 सितंबर 2026 तक प्रभावी है। पुल टूटने की घटना के बाद वैकल्पिक मार्ग के तौर पर जनकपुर से बहरासी, कुवांरपुर होते हुए चांटी बैरियर तक रास्ता निर्धारित किया गया है। इससे करीब 20 किलोमीटर का रास्ता बढ़कर लगभग 47 किलोमीटर हो गया है। यानी वाहन चालकों को करीब 27 किलोमीटर अतिरिक्त दूरी तय करनी पड़ रही है। यहां मौजूद स्थानीय नागरिक गरीब मौर्य ने बताया कि सबसे ज्यादा परेशानी स्कूली बच्चों और रोजाना आने-जाने वाले यात्रियों को हो रही है। स्थानीय लोगों के मुताबिक करीब 350 से 400 स्कूली बच्चे प्रतिदिन इस मार्ग से आवागमन करते हैं। वैकल्पिक व्यवस्था के तहत बस पुल के एक छोर पर रुकती है, बच्चे और यात्री उतरकर करीब 500 मीटर पैदल चलते हैं और दूसरी तरफ खड़ी बस में बैठकर आगे का सफर तय करते हैं। बारिश के बीच यह सफर बच्चों और बुजुर्गों के लिए और भी मुश्किल हो जाता है। इस पुल के क्षतिग्रस्त होने का असर सिर्फ आवागमन तक सीमित नहीं है। बताया जा रहा है कि इस क्षेत्र की 83 ग्राम पंचायतें और 181 आश्रित गांव इससे प्रभावित हैं। कुल आबादी करीब 88 हजार 750 बताई जा रही है। वहीं पुल के दूसरी ओर स्थित 8 ग्राम पंचायतों की करीब 8 हजार 116 की आबादी इससे सीधे प्रभावित है।

350 से 400 स्कूली बच्चे प्रतिदिन इस मार्ग से आवाजाही करते है

ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष अंकुर प्रताप सिंह ने बताया कि इलाज के मामले में भी क्षेत्र के 85 से 90 प्रतिशत लोग मध्य प्रदेश पर निर्भर बताए जाते हैं।

माडमसिल्ली बांध लबालबः पूर्ण जलभराव होते ही एशिया का एक मात्र सायफन सिस्टम हुआ ऑटोमेटिक एक्टिवेट

धमतरी 31 अगस्त (हाईवे चैनल)। एशिया का एक मात्र सायफन सिस्टम वाले धमतरी जिले के मॉडमसिल्ली बांध के लबालब होते ही बांध के गेट खुल गए है जिससे नजारा मनोरम हो गया है. बताया जा रहा है कि 100 प्रतिशत जल का भराव होते ही बांध का सायफन सिस्टम ऑटोमेटिक एक्टिवेट हो गया है.बांध मे कुल 5.839 टीएमसी जलभराव क्षमता है. बता दे कि सायफन अलग अलग लेवल में बना हुआ है. जैसे जैसे पानी का स्तर बढ़ते जाता है, वैसे वैसे ही वे चालू हो जाते है, जो बांध को सुरक्षित करता है. धमतरी जिले में कुल 4 बांध है, जिसमें से एक माडमसिल्ली बांध भी है. जिसे अब बाबू छोटेलाल श्रीवास्तव बांध के नाम से भी जाना जाता है. अंग्रेजों द्धारा बनाए गए इस बांध में कई खासियत है.

103 साल पुराने मॉडमसिल्ली बांध है देश का एकलौता बांध है जो सायफन सिस्टम होने के साथ चालू हालत में है

जिले का माडमसिल्ली बांध पूरे एशिया का एकमात्र साइफन सिस्टम बांध है. इसमें पानी ऊंचाई से नीचे की ओर गिरता है, जिसके कारण यह खूबसूरत और मनमोहक लगता है।

1923 में बनकर तैयार हुआ था माडमसिल्ली बांधः बांध का निर्माण इंग्लैंड की रहने वाली महिला इंजीनियर मैडम सिल्ली ने की थी, जिसके चलते इस बांध का नाम माडम सिल्ली पड़ा. इस बांध की और एक खास बात यह है कि इसे बनाने के लिए ईंट सीमेंट और लोहे का उपयोग नहीं किया गया था. सन् 1914 में इसका निर्माण कार्य शुरू किया गया था, जो सन् 1923 में बनकर तैयार हुआ था।

सायफन सिस्टम वाला एकलौता बांध

देश का ये एकलौता बांध है जो सायफन सिस्टम होने के साथ चालू हालत में है. तकरीबन 103 साल की उम्र बीत जाने के बाद भी इस बांध की मजबूती में कोई फर्क नहीं आया है. आज भी इसके सभी गेट चालू हालत में है. बारिश के मौसम मे बांध लबालब होते ही ऑटोमेटिक सायफन गेट से पानी निकलना शुरू हो जाता है. इस बांध में 34 सायफन सिस्टम हैं. इसके अंदर बेबी सायफन भी है।